ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-४२
दिनांक- मंगलवार, २३ जून, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.२ एवं १९.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ८.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ३.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.२ एवं दोपहर में ३२.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ४७.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२४-२८ जून, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २४-२८ जून तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- अगले १-२ दिनों तक उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। हालाकि सक्रिय मानसून के प्रभाव से उसके बाद यानि २५ जून से उत्तर बिहार के जिलों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, सीवान, सीतामढ़ी, शिवहर एवं पूर्वी चम्पारण जिलों में २६-२७ जून को कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २८ से ३२ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २४-२८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १०-१२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की अच्छी संभावना को देखते हुए किसान भाई अपने खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें। धान की बीजस्थली में जो बिचड़े १० से १५ दिनो के हो गये हो, खर-पतवार निकाल कर तथा प्रति एक हजार वर्ग मीटर बीजस्थली के लिए ५ किलो अमोनियम सल्फेट अथवा २ किलो यूरिया का उपरिवेशन करें।
- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं ऐसे किसान भाई खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई करें। यदि खेत सुखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सुखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के ४८ घंटें के अन्दर खरपतवारनाशी दवा पेन्डिमेथीलीन १.० लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिश शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के १०-१५ दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम १०ः एस० सी०) दवा का १०० मि० ली० प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भुले।
- उचॉस जमीन अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। उचॉस जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर, २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। पूर्वानुमानित अवधि मध्यम से भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए बुआई में बरतें।
- खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे- कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा लगाने के मौसम अनुकुल है। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर २०-२५ टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर ६० किलो ग्राम नेत्रजन, ५० किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल ३ मी० X १ मी० की दूरी पर लगायें। प्रति थाल २-३ मी० बीच पर बोयें।
- बरसाती भिंडी फसल लगाने का समय अनुकूल है। इसके लिए अर्का अभय, पंत भिडी-१, काशी लीला किस्में उपयुक्त है। इस फसल में मौजेक एवं फल छेदक कीट काफी नूकसान पहुचाते है। रोकथाम के लिए मैलाथियन दवा का २ से २.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर १५ दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनो के हो गये हो, उसमे से खर-पतवार निकालें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है।

आज का अधिकतम तापमानः ३१.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १८.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ७.० डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी